CSIR in Media

Platinum Jubilee 1942-2016

75 Years of

CSIR Touching Lives

A Daily News Bulletin
21th June 2017

Produced by Unit for Science Dissemination, CSIR, Anusandhan Bhawan, 2 Rafi Marg, New Delhi

CSIR-CDRI

21th June 2017

मोदी ने दिया पर्यावरण प्रेमी बनने का संदेश

लखनऊ, (वार्ता): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ स्थित केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) में पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति संवदेनशील होने का संदेश दिया। नवाब नगरी के दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे श्री मोदी अमौसी हवाई अड्डे से हेलीकाप्टर से सीडीआरआई पहुंचे। पहली बार सीडीआरआई आये श्री मोदी की आगवानी संस्थान के निदेशक मधु दीक्षित ने की। प्रधानमंत्री ने परिसर में स्थित महर्षि चरक बगीचे में नीम का एक पौधा लगाया। बाद में श्री मोदी ने संस्थान की प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद देश के किसी प्रधानमंत्री का यह पहला दौरा था। देश के पहले प्रधानमंत्री ने वर्ष 1951 में संस्थान का दौरा किया था। विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अध्यक्ष श्री मोदी को सीडीआरआई द्वारा खोजी गयी तीन नयी दवाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गयी। इस मौके पर संस्थान में एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी है जिसमें दवा उद्योग में सीडीआरआई की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। सीडीआरआई के निदेशक मधु दीक्षित ने बताया कि प्रधानमंत्री के सामने तीन नयी दवाओं को रखा जाएगा जिसमें एक मलेरिया निषेध, ओस्टियोपोरासिस और रक्त के थक्के जमने का इलाज करने की औषधि है। सुश्री दीक्षित ने बताया कि मलेरिया निषेध औषधि के क्लीनिकल ट्रायल का पहला चरण हो चुका है। मलेरिया की बीमारी की रोकथाम के लिये यह दवा बेहद कारगर साबित होगी।

Published in:

Punjab Keshri, Page no. 14

CSIR-CDRI

20th June 2017

गर्भ निरोधक 'सहेली' से कैंसर का भी इलाज

सीडीआरआई ने शुरू किया क्लीनिकल ट्रायल, पीएम मोदी आज करेंगे लोकार्पण

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

देश की दिग्गज वैज्ञानिक संस्था सेंट्रल ड्रग रिचर्स इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई) की करीब 30 साल पहले बनाई गर्भनिरोधक दवा सहेली (सेंटक्रोमेन) अब अपने कैंसर निरोधी गुणों के लिए चर्चा में है। अभी तक बिना साइड इफेक्ट के गर्भ निरोधक का काम कर रही सहेली में एंटी कैंसर गुण मिलने के बाद इसका क्लीनिकल ट्रायल देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान में शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीडीआरआई के न्यू कैंपस जानकीपुरम विस्तार के लोकार्पण कार्यक्रम के समय इस नई सफलता को भी साझा किया जाएगा।

सोमवार को सीएसआईआर की 37 लैबों में इकलौती महिला निदेशक डॉ. मधु दीक्षित ने बताया कि सेंटक्रोमेन को सहेली के नाम से बनाया गया। भारत सहित कई देशों में यह अपनी बिना साइड इफेक्ट के प्रभावी रूप से काम करने के लिए प्रसिद्ध हुई। हाल ही में इस दवा में सवाईकल और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव के लिए गुण मिले। इस सूचना को उन्होंने सीडीआरआई के साथ भी साझा किया। इसके बाद हमने आगे की खोज शुरू की। अब इस एंटी कैंसर गुण के साथ सेंटक्रोमेन ड्रग का क्लीनिकल ट्रायल शुरू कर दिया गया है। टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट को इसके लिए चुना गया। हमें उम्मीद है कि जल्दी फार्मा इंडस्ट्री को एक बिना नुकसान पहुंचाने वाली कैंसर थेरेपी सेंटक्रोमेन के गुणों के साथ मिल जाएगी। सेंटक्रोमेन के एंटी कैंसर गुणों के साथ लोकार्पण कार्यक्रम में सीडीआरआई की बनाई दूसरी दवाओं की जानकारी भी साझा की जाएगी।

सीडीआरआई के इसी नवीन परिसर का लोकार्पण करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमर उजाला

डॉ. मधु दीक्षित

सीडीआरआई आने वाले मोदी तीसरे प्रधानमंत्री

डॉ. मधु दीक्षित ने बताया कि सीडीआरआई की 1951 में स्थापना पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने की। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी एक बार सीडीआरआई के ओल्ड कैंपस छतर मंजिल आए। 25 साल बाद अब कोई प्रधानमंत्री सीडीआरआई में आ रहे हैं।

सीडीआरआई को चाहिए बजट

डॉ. मधु दीक्षित ने बताया कि शोध के लिए बजट की कमी है। लेकिन, प्रधानमंत्री से उनकी विजिट के समय कोई मांग नहीं रखी जाएगी। इसके लिए सीएसआईआर के माध्यम से बाद में अनुरोध किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का सीडीआरआई में कार्यक्रम

>> आगमन - 5:15 बजे शाम >> लोकार्पण कार्यक्रम, प्रदर्शनी उद्घाटन - 5:30 बजे >> लैब में विजिट : 5:40 बजे >> एकेटीयू के लिए रवाना : 6 बजे शाम

सीडीआरआई में शोध कर रहे 22 कश्मीरियों की जांच

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीडीआरआई में कार्यक्रम के मद्देनजर वहां के अधिकारियों, कर्मचारियों व शोधकर्ताओं के बारे में खुफिया तंत्र द्वार छानबीन की गई। कश्मीर के मूल निवासी 22 शोधकर्ताओं के मूलनिवास के थाने से उनके चरित्र के सत्यापन के साथ ब्योरा एकत्र किया गया। परिवार के बारे में भी जानकारी एकत्र करके उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराई। एसएसपी दीपक कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के मद्देनजर हर बिंदु पर छानबीन की गई है।

Published in:

Amarujala

IICT scientists have passed the half-way stage. Dr Chandrasekhar says, “We are forging ahead with several collaborations with institutes from across the world and the industry interface too is looking up. This new structure could be a boon for diabetic patients.”

He further said, “The Natural Product Division of IICT takes inspiration from natural products and comes out with new structures. The impetus is to expand ties with institutes across the world for mutual benefit in medicinal as well as chemical technology.”

Published in:

Pharmabiz.com

CDRI to introduce its 3 new drugs to PM during his visit

CSIR-CDRI

21st June 2017

The CSIR-Central Drugs Research Institute(CDRI) will brief Prime Minister Narendra Modi about three new drugs being developed by the Institute on his visit to the campus on Tuesday . Modi is also president of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) and this will be his first visit to any of its labs in the country . The institute is also organising an exhibition to highlight CDRI's contribution in the drug discovery and development for PM. CDRI director Madhu Dikshit said, "The three drugs that will be talked about are an anti-malarial, osteoporosis and a drug to treat a blood clot.Further, the institute recently held an inspection for Good Laboratory Practices (GLP) certification. The GLP certification will give institute's drugs an international acceptance."Dikshit said phase 1 clinical trial for multiple doses of the anti-malarial drug has been done. It may prove to be an effective new way to treat ma laria--a disease which is becoming resistant to current medications. For the osteoporosis drug which has national and international patent the clinical trial for single dose have been done, it will help in speedy bone recovery . While the institute has procured monkey for the blood clotting drug test to see the usefulness of the drugs in treating blood clotting," she added.

She said the PM will see the exhibition first and will make a visit to the Molecular Structural Biology Laboratory and the Natural products chemistry laboratory having 85,000 compounds. The Institute will gift painting to the PM made by scientist Sujeet Khurana. "He is likely to plant medicinal plant at the Maharshi Charakgarden," she added.

Published in:

Timesofindia.indiatimes.com

PM visits CDRI Complex

CSIR-CDRI

20th June 2017

Lucknow, Jun 20 (PTI) Prime Minister Narendra Modi today visited the premier CSIR-Central Drugs Research Institute (CDRI) here and evinced keen interest in the research work conducted by the state-run institute.

Soon after arriving here on a two-day visit, the prime minister flew in a chopper from the Amausi airport to the CDRI complex. During his 40-minute stay at the institute, he took a round of the two laboratories and expressed keen interest in the research work being done in the institute.

As he tried to understand the research work, the prime minister even used a microscope to follow the experiments. He also had a brief interaction with some senior scientists. CDRI officials briefed him about certain new drugs being developed by the institute for treatment of diseases like osteoporosis and malaria. Incidentally, Modi is the president of CSIR and this was his first visit to one of its labs in the country. The institute organised an exhibition for the prime minister to highlight its contributions in drug discovery and development. Modi evinced keen interest in some of the exhibits. Earlier, he planted a sapling of a medicinal plant in the CDRI premises, flanked by Governor Ram Naik and Chief Minister Yogi Adityanath. PTI SAB SMI ADS

Published in:

Indiatoday.in

CSIR-CDRI

21th June 2017

'प्रौद्योगिकी के मामले में हर लिहाज से आत्मनिर्भर बनें'

गरीबों को सस्ती दवा उपलब्ध कराना है चुनौती: मोदी

एजेंसी. लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को प्रौद्योगिकी के मामले में हर लिहाज से आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि बेहतर प्रौद्योगिकी के सहारे देश की युवा शक्ति इस काम को पूरा कर सकती है। प्रधानमंत्री ने लखनऊ स्थित अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के नए भवन के लोकार्पण अवसर पर कहा कि आज भी हमारा देश रक्षा के मामले में हर छोटी बड़ी चीज विदेश से मंगाता है हमें यह सोचना होगा कि क्या हम इस मामले में आत्मनिर्भर नहीं बन सकते। उन्होंने कहा कि हम क्यों ना भारत में नए-नए आविष्कारों के बलबूते आत्मनिर्भर बनें। हम इन सपनों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने रक्षा क्षेत्र में सौ फीसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को मंजूरी दी है। इसके अलावा अन्य विशेष प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। मोदी ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान भी आज प्रौद्योगिकी चलित हो चुका है। अब मशीन यह तय करती है कि रोगी को क्या बीमारी है। बाद में डॉक्टर उसकी रिपोर्ट के आधार पर मरीज को दवा देता है। आज मेडिकल उपकरणों की बड़ी मांग है हमें यह सोचना होगा कि क्यों ना हम इस दिशा में स्टार्टअप के जरिए नई खोज के साथ नई शुरुआत करें। उन्होंने कहा कि देश के पास जो तकनीकी महारत मौजूद है उसे नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं ने हमेशा चुनौतियों को स्वीकार किया है और उनसे पार भी पाया है।

उपलब्धि का जिक्र

मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने के मामले में भारत की उपलब्धि का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ऐसा पहला देश है जो मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचा, वह भी सिर्फ 7 रुपये प्रति किलोमीटर की लागत से उसने यह उपलब्धि हासिल की जो हालीवुड की किसी फिल्म के बजट से भी कम है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों भारत ने एक साथ 104 सैटेलाइट अंतरिक्ष में छोड़े। भारत को इसी सामर्थ्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को आधुनिक ऋषि बताते हुए कहा कि वैज्ञानिकों ने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर बीमारी से मुक्ति दिलाने की दिशा में कार्य करते हुए अपना जीवन खपा दिया है। आज मानव के सामने खासकर आरोग्य के क्षेत्र में बड़ी चुनौती है। मोदी ने कहा कि एक दवा बनाने में सालों साल लग जाते हैं, मगर इसी बीच नई बीमारी सामने आ जाती है। बीमारियों को परास्त करके गरीबों को सस्ती दवा कैसे मिले यह चुनौती स्वीकार करके हमें इसमें विजयी होना होगा।

हौसला बढ़ाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं ने हमेशा चुनौतियों को स्वीकार किया है और उनसे पार भी पाया है।

- प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को बताया अधुनिक ऋषि

Published in:

Haribhumi, Page no. 6

CSIR-CDRI

20th June 2017

विज्ञान सार्वभौमिक होता है, लेकिन तकनीक को स्थानीय होना चाहिए : नरेंद्र मोदी

देश में प्राविधिक शिक्षा में एकरूपता लाने के लिए वर्ष 2000 में तत्कालीन भाजपा की सरकार ने प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय की स्थापना की थी : मुख्यमंत्री

। चंद्रशेखर ।

लखनऊ। फोकस न्यूज। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौजवानों सहित वैज्ञानिकों व तकनीक के क्षेत्र में कार्यरत लोगों से आह्वान किया है कि वे विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ऐसे अविष्कारों को अंजाम दें, जो मानव जीवन को बेहतर बनाते हुए उत्कृष्टता की ओर ले जाए। वैज्ञानिकों को आधुनिक ऋषि की संज्ञा देते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में लक्ष्य के प्रति समर्पित वैज्ञानिक मानव को पीड़ा से मुक्ति दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्हें परम्पराओं और ज्ञान–विज्ञान के माध्यम से इस क्षेत्र में अभी बहुत कुछ करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में कई चुनौतियां हैं, जिन्हें स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना होगा और उन चुनौतियों पर विजय पानी होगी। प्रधानमंत्री आज लखनऊ में डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के नवीन परिसर के लो. कार्पण, 400 के0वी0 लखनऊ–कानपुर ट्रांसमिशन लाइन के राष्ट्र को समर्पण (शेष पेज दो पर)

विज्ञान सार्वभौमिक... (पेज एक का शेष) तथा प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं डॉ0 दिनेश शर्मा, ग्राम्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 महेन्द्र सिंह, सांसद श्री कौशल किशोर, ए0के0टी0यू0 के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक मौजूद थे। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार उमंग, उत्साह और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ विकास की यात्रा पर चल रही है। उन्होंने कहा कि यहां पर घट रही पल–पल की घटनाओं की तरफ पूरे विश्व का ध्यान है। उत्सुकता है कि एक के बाद एक विकास के कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जी की सराहना करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों की जड़ता व अवरोध को दूर करने, बीमारियों से निजात पाने तथा प्रगति की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए पूरा परिश्रम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सी0डी0आर0आई0) के अपने भ्रमण कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपना पूरा जीवन प्रयोगशालाओं में समर्पित कर रहे हैं। उन्हें ऐसी दवाओं की खोज करनी होगी, जो सस्ती व कारगर हों तथा बिना किसी साइड इफेक्ट के बीमारियों का उपचार करें। उन्होंने कहा कि दवाई की खोज में वर्षों लगते हैं, लेकिन तब तक उस दवाई से आगे की बीमारी आ जाती है। तकनीक और दवाइयों के माध्यम से बीमारियों के उपचार और उनसे निजात पाने के लिए निरन्तर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश में गरीब से गरीब को सस्ती व कारगर दवाई कैसे मिले, इस चुनौती को स्वीकार करते हुए दवाइयों का अविष्कार करना होगा। प्रधानमंत्री जी ने डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम को युवाओं और तकनीकी जगत के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि विज्ञान सार्वभौमिक होता है, लेकिन तकनीक को स्थानीय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के युवा में सामर्थ्य है। उसके हाथ में यदि हुनर और विज्ञान का अनुष्ठान भी मिल जाए तो विश्व में भारत का डंका बजेगा। तकनीक को समय से आगे होने की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि तकनीक के क्षेत्र में नौजवानों के सामर्थ्य के बल पर हम भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाए जाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज भी हम सुरक्षा से सम्बन्धित उपकरणों तथा तकनीक के लिए विदेशों पर निर्भर हैं। अब समय आ गया है, जब देश के सुरक्षा–संसाधनों, उपकरणों व तकनीक के लिए भारत में नये–नये अविष्कारों को अंजाम दिया जाए और हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए नई नीतियां बनायी गयी हैं। तकनीक के क्षेत्र में विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे तकनीक से जुड़ी युवा पीढ़ी को लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार चिकित्सा के क्षेत्र में आज हम तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि बीमारियों के उपचार में मशीनों की मदद ली जाती है। इन सब क्षेत्रों से जुड़े उद्योगों के लिए स्टार्ट अप योजना कारगर हो सकती है। नई खोज, नये निर्माण और नये–नये उपकरणों के लिए स्टार्ट अप के साथ–साथ स्टैण्ड अप इण्डिया, मेक इन इण्डिया, स्किल इण्डिया, मुद्रा बैंक योजना आदि सहायक हैं। श्री मोदी जी ने कहा कि तकनीकी ज्ञान के साथ समन्वित दृष्टिकोण अपनाते हुए हमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। आज भारत की युवा पीढ़ी और वैज्ञानिक इस दिशा में कार्य कर रहे हैं।

Published in:

Focus News, Page no. 1

इथोपिया के प्रतिनिधिमंडल ने जानी आइआइपी की गतिविधियां

CSIR-IIP

21st June 2017

देहरादून। इथियोपिया संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य का एक छह-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें डेसेसा लेटा मेर्गा, गिरमा रेगासा बुला, मेकी केबेडे बेडासा, लीले मेहमूद उस्मान, सिमग्न देगु तेस्फाय और मेहमुद अरेबू अली शामिल थे, ने सीएसआइआर-आइआइपी, देहरादून का दौरा किया। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिक समुदाय और निदेशक डॉ. अंजन रे के साथ सीएसआइआर-आइआइपी में चल रही अनुसंधान गतिविधियों पर एक व्यापक चर्चा की। डॉ रे ने अतिथि टीम को अवगत कराने के लिए संस्थान में अनुसंधान और विकास कार्यों की पूरी श्रृंखला पर एक प्रस्तुति दी। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने यहाँ पर प्रचलित वैज्ञानिक एवं अनुसंधान-संबंधी यथा स्पेशिलिटी केमिकल्स / उत्पाद प्रयोगशाला, अधिशोषण प्रयोगशाला, अपशिष्ट प्लास्टिक्स पायलट प्लांट, नैनो-टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला, विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला, एडवांस्ड क्रूड ऑयल रिसर्च सेंटर, बायोडीजल प्रयोगशाला और ग्लास फैब्रिंग सेक्शन।उन्होंने सीएसआइआर-आइआइपी और इथियोपिया के बीच सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से उस देश में किए जाने वाले अनुसंधान कार्य के संदर्भ में, विशेष रुचि प्रदर्शित की। सबसे बड़ी अर्थ-व्यवस्था (जीडीपी की दृष्टि से) वाले इस देश ने अपने शोधकर्ताओं के कौशल विकास और उनके प्रशिक्षण के अलावा पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल्स से संबंधित गतिविधियों में गहरी दिलचस्पी दिखाई। प्रतिनिधियों ने भी उन्नत गुड़ इकाई (गुड़ भट्टी) में अपनी रुचि का प्रदर्शन किया, जो न केवल आर्थिक रूप से लाभप्रद है बल्कि उत्पादन भी बढ़ाती है। इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल के दौरे का समन्वितडॉ डी सी सी पांडे, प्रमुख तकनीकी निदेशालय द्वारा किया गया।

Published in:

Uttravani